



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 557]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 25, 1985/अग्राहयान 4, 1907

No. 557]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 25, 1985/AGRAHAYANA 4, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1985

आदेश

का. आ. 843 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./85 :- भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 112 (अ)/18कक/उ.-वि.वि.अ./79, तारीख 26 फरवरी, 1979, (जिसे इसने इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मैसर्स ब्रेन्टकोर्ड इलेक्ट्रिक (इंडिया) लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) का धारा 18कक को उपधारा (1) के खंड (क) के अर्थ में छह महीने की अवधि के लिए अर्थात् 25 अगस्त, 1979, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) तक ग्रहण किया था और एन्ड्रयू एंड कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 476 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./79, तारीख 22 अगस्त, 1979, सं. का. आ. 637(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./80, तारीख 22 अगस्त, 1980, सं. का. आ. 126(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./81, तारीख 23 फरवरी, 1981, सं. का. आ. 98 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ. 82, तारीख 25 फरवरी 1982 सं. का. आ. 611 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./82 तारीख 23 अगस्त 1982 सं. का. आ. 143 (अ)/18 कक/उ.वि.वि.अ./83 तारीख 24 फरवरी 1983, सं. का. आ. 611 (अ) 18कक/उ.वि.वि.अ./83, तारीख 24 अगस्त, 1983, सं० का. आ. 772 (अ)/18-कक/उ.वि.वि.अ./83, तारीख 25 अक्तूबर 1983, सं. का. आ. 845 (अ)/18-कक/उ.वि.वि.अ./83, तारीख 19 नवम्बर, 1983, सं. का. आ. 401 (अ)/18-कक/उ.वि.वि.अ./84.

तारीख 22 मई, 1984, सं. का. आ. 876 (अ)/18कक/-उ. वि.वि.अ./84, तारीख 23 नवम्बर, 1984, सं. का. आ. 163 (अ)/18कक/- उ.वि.वि.अ./85, तारीख 25 फरवरी, 1985, सं. का. आ. 416 (अ)/18कक/- उ. वि.वि.अ./85, तारीख 24 मई, 1985, तथा सं. का. आ. 618 (अ)/18कक/- उ.वि.वि.अ./85, तारीख 22 अगस्त, 1985, द्वारा उक्त आदेश की अवधि तारीख 25 नवम्बर, 1985, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) तक बढ़ा दी गई थी ;

और भारत सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का तीन महीने की और अवधि के लिए एन्ड्रयुल एंड कंपनी लिमिटेड, के प्रबन्ध-तंत्र, के अधीन चले रहना चाहिये ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश देती है कि उक्त आदेश तीन महीने की और अवधि के लिए अर्थात् तारीख 25 फरवरी, 1986 तक, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) प्रभाव में बना रहेगा।

[फा. सं. 5 (14)/78- सी. यु. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 25th November, 1985

ORDER

S.O. 843(E) :—18AA/IDRA/85 :—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 112(E)/18AA/IDRA/79, dated the 26th February, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Brentford Electric (India) Limited, Calcutta, was taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of six months upto and inclusive of 25th August, 1979 and Andrew Yule and Company Limited, Calcutta, was authorised to take over the management of the said industrial undertaking :—

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) :—

- No. S.O. 476(E)/18AA/IDRA/79, dated the 22nd August, 1979,
- No. S.O. 637(E)/18AA/IDRA/80, dated the 23rd August, 1980,
- No. S.O. 126(E)/18AA/IDRA/81, dated the 23rd February, 1981,
- No. S.O. 98(E)/18AA/IDRA/82, dated the 25th February, 1982,
- No. S.O. 611(E)/18AA/IDRA/82, dated the 23rd August, 1982,
- No. S.O. 143(E)/18AA/IDRA/83, dated the 24th February, 1983,
- No. S.O. 611(E)/18AA/IDRA/83, dated the 24th August, 1983,
- No. S.O. 722(E)/18AA/IDRA/83, dated the 25th October, 1983,
- No. S.O. 845(E)/18AA/IDRA/83, dated the 19th November, 1983,
- No. S.O. 401(E)/18AA/IDRA/84, dated the 22nd May, 1984,
- No. S.O. 876(E)/18AA/IDRA/84, dated the 23rd November, 1984,
- No. S.O. 163(E)/18AA/IDRA/85, dated the 25th February, 1985,
- No. S.O. 416(E)/18AA/IDRA/85, dated the 24th May, 1985, and
- No. S.O. 618(E)/18AA/IDRA/85, dated the 22nd August, 1985,

the duration of the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 25th November, 1985.

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Andrew Yule and Company Limited, Calcutta, for a further period of three months::

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the said Act, the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of three months upto and inclusive of the 25th February, 1986.

[File No. 5(14)/78—CUS]

आदेश

का. आ. 844 (अ)/18एफ बी./आई. डी. आर. ए /85 .—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 124 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए /79, तारीख 5 मार्च, 1979, तथा सं. का. आ. 130 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./79, तारीख 9 मार्च, 1979, (जिन्हें इसी पञ्चान् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18एफ. बी. की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीखों के ठीक पूर्व प्रदत्त ऐसे समस्त सविदाओं संपत्ति के हस्तान्तरणों पवों, करारों, व्यवस्थाओं, पत्राचारों, स्थगित आदेशों या अन्य लिखितों जिनका मैसर्स ब्रेन्टफोर्ड इलेक्ट्रिक (इंडिया) लिमिटेड, कानकता, नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम एक पक्षधार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम पर लागू हो सकते हों का प्रवर्तन 25 अगस्त, 1979 तक की, अवधि के लिए निवर्तित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अन्तर्गत प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी अधिकार विशेषाधिकार, वाध्यताएं और दायित्व 25 अगस्त, 1979 तक (जिसमें यह दिन भी शामिल है) की अवधि के लिए निवर्तित रहेगा,

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 477 (अ)/18एफ.बी./आई.डी.आर.ए./79, तारीख 22 अगस्त 1979, सं. का. आ. 638(अ)/18एफ.बी./आई.डी.आर.ए./80, तारीख 22 अगस्त, 1980, सं. का. आ. 127 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./81, तारीख 23 फरवरी, 1981 सं. का. आ. 99(अ)/18 एफ.बी./आई. डी. आर. ए./82, तारीख 25 फरवरी, 1982 सं. का. आ. 612 (अ)/18 एफ. बी./आई. डी. आर. ए. 82 तारीख 23 अगस्त, 1982, सं. का. आ. 114 (अ)/18 एफ.बी./आई.डी.आर.ए./83, तारीख 24 फरवरी, 1983, सं. का. आ. 612 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./83, तारीख 24 अगस्त, 1983, सं. का. आ. 773(अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./83, तारीख 25 अक्तूबर, 1983 सं. का. आ. 846 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./83 तारीख 19 नवम्बर 1983 सं. का. आ. 402 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./84 तारीख 22 मई 1984 सं. का. आ. 877 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./84, तारीख 23 नवम्बर 1984 सं. का. आ. 164 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./85, तारीख 25 फरवरी 1985, सं. का. आ. 417 (अ)/18एफ. बी./आई. डी. आर. ए./85, तारीख 24 मई, 1985, तथा सं. का. आ. 619 (अ)/18 एफ. बी./आई. डी. आर. ए./85, तारीख 22 अगस्त, 1985, द्वारा उक्त आदेश की अवधि 25 नवम्बर, 1985, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) तक बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार इस बारे में संतुष्ट हो गई है कि उक्त आदेश की अवधि तीन महीनों के लिए अर्थात् 25 फरवरी, 1986, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) और बढ़ा दी जाना चाहिए,

अतः अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18एफ.बी. की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त आदेशों की अवधि 25 फरवरी, 1986 तक, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) और बढ़ानी है।

[फा. सं. 5 (14)/78-मो. यु. एम.]

ए. पी. मन्वन्, मयक्त सचिव,

ORDER

S.O. 844(E)/18FB/IDRA/85—Whereas by the two Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 124(E)/18FB/IDRA/79, dated the 5th March, 1979 and No. S.O. 130(E)/18FB/IDRA/79, dated the 9th March, 1979 (hereinafter referred to as the said Orders), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operations of all contracts, assurances of property, agreements settlements, awards, standing orders or other instruments, in force immediately before the dates of the issue of said Orders, to which the Industrial Undertaking known as Messrs Brentford Electric (India) Limited Calcutta, was a party or which might be applicable to the said industrial undertaking, should remain suspended for a period upto the 25th August, 1979 and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date should remain suspended for a period upto and inclusive of the 25th August, 1979;

And whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) :—

No. S.O. 477(E)/18FB/IDRA/79, dated the 22nd August, 1979.

No.S.O. 638(E)/18FB/IDRA/80, dated the-23rd August, 1980,

No. S.O. 127(E)/18FB/IDRA/81, dated the 23rd February, 1981.

No. S.O. 99(E)/18FB/IDRA/82, dated the 25th February, 1982,
No. S.O. 612(E)/18FB/IDRA/82, dated the 23rd August, 1982,
No. S.O. 144(E)/18FB/IDRA/83, dated the 24th February, 1983,
No. S.O. 612(E)/18FB/IDRA/83, dated the 24th August, 1983,
No. S.O. 773(E)/18FB/IDRA/83, dated the 25th October, 1983,
No. S.O. 846(E)/18FB/IDRA/83, dated the 19th November, 1983,
No. S.O. 402(E)/18FB/IDRA/84, dated the 22nd May, 1984,
No. S.O. 877(E)/18FB/IDRA/84, dated the 23rd November, 1984,
No. S.O. 164(E)/18FB/IDRA/85, dated the 25th February, 1985,
No. S.O. 417(E)/18FB/IDRA/85 dated the 24th May, 1985 and
No. S.O. 619(E)/18FB/IDRA/85, dated the 22nd August, 1985;

the duration of the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 25th November, 1985.

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Orders should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 25th February, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Orders upto and inclusive of the 25th February, 1986.

[File No. 5(14)/78-CUS]

A.P. SARWAN, Jt. Secy.